ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-4* July- 2021
Anthology : The Research

जौनपुर जनपद (उ0प्र0) में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का सामाजिक एवं आर्थिक विकासः एक भौगोलिक अध्ययन

Social and Economic Development of Scheduled Caste Population in Jaunpur District (U.P.) : A Geographical Study

Paper Submission: 16/07/2021, Date of Acceptance: 25/07/2021, Date of Publication: 26/07/2021

जगदेव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग
एस0जी0एन0 राजकीय
पी0जी0 कॉलेज
मुहम्मदाबाद, गोहना,
मऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

पुष्कर
शोध छात्र
भूगोल विभाग
एस0जी0एन0 राजकीय
पी0जी0 कॉलेज
मुहम्मदाबाद, गोहना,
मऊ, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से जौनपुर जनपद का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इस जनपद के नाम के सन्दर्भ में ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि 1361 ई0 में फिरोजशाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई मुहम्मदशाह तुगलक उर्फ जूना खाँ के नाम पर बसाया था। जनपद के पूर्व में गाजीपुर एवं पूर्वात्तर में आजमगढ़, पश्चिम में प्रतापगढ़ पश्चिमोत्तर में सुल्तानपुर जनपद, दक्षिण में सन्त रविदास नगर (भदोही) एवं दक्षिण-पूर्व में वाराणसी जनपद स्थित है। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 4494204 है जिसमें पुरूष 2220465 एवं महिला 2273739 है। जनपद में अनुसूचित जाति की कुल जनसंख्या 990345 है जिसमें पुरूष 494226 व महिला 496119 है जो कुल जनसंख्या का 23.14 प्रतिशत है।

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र के जनपद जौनपुर में अनुसूचित जाति की सामाजिक परिवर्तनों के आधार पर समाज में इनकी सहभागिता बढ़ी है और वर्तमान में इन्हें उस दृष्टि से नहीं देखा जा रहा है जैसा कि पूर्व के समय में लोग इनसे दूरियां बनाकर चलते थे। फिर भी इन्हें और सामाजिक कुरीति तथा अंधविश्वासों से दूरी बनाने की आवश्यकता है जिससे इनका सम्पूर्ण सामाजिक विकास हो सके। ये जातियाँ पहले से ही आर्थिक दृष्टि से कमजोर है लेकिन अब इनके अन्दर आर्थिक चेतना का विकास करना बहुत जरूरी है जिससे इनका भी आर्थिक विकास हो सके एवं ये भी सामाजिक रूप से सुदृढ़ हो सके।

Historical, Cultural, Educational and Political point of view, Jaunpur district has been an important place, in the context of the name of this district, Historical records show that in the 1361 AD Firoj Shah Tuglak had settled in the name of his cousin Muhammad Shah Tuglak Alias Juna Khan. Ghazipur district is situated in the east and Azamgarh in the north-east, Pratapgarh in the west, Sultanpur district in the north-west, Sant Rabidas Nagar (Bhadohi) in the south and Varanasi district in the south – east. According to census 2011, the total population of the district is 4494204 in which male is 2220465 and female is 496119 which is 23.14 percent of the total population.

In the district of Jaunpur of the present study area, their participation in respect of the scheduled castes has increased on the basic of social changes and at present they are not being seen from the point of view as in the past, people used to walk away from them, yet they are more society evils, and there is a need to keep distance from superstitions so that their over, all social development can take place. These castes are already weak from the economic point

मुख्य शब्द : अनुसूचित जाति, सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, शैक्षणिक विकास, जनसंख्या, जनगणना, जीवन स्तर, गतिशीलता, कृषि भूमि

Scheduled Cast, Social Development, Economic Development, Academic Development, Population, Census, Life-Status, Mobility, Agricultural Land.

प्रस्तावना

अनुसूचित जातियां मुख्य रूप से उन जातियों को सम्मिलित करती है जिन्हें भारत में प्राचीन काल से शूद्र के नाम से जाना जाता है। जातियों के उद्भव के विषय में वेद मंत्र में लिखित है कि भारत में चार वर्ण ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र है। सम्भवतः शूद्रों की उत्पत्ति का तात्पर्य यही रहा है कि ये समाज के आर्थिक समुन्नति में अपना प्रमुख योगदान सेवा मे माध्यम से देते थे तथा इनका जीवन भी आज की परिस्थितियों के विपरीत रहा है। अनुसूचित जाति के लोगों को अस्पृश्य एवं शूद्र के नाम से पुकारा जाता हैं 'अस्पृश्य जातियां वे हैं जो अपने सामाजिक और राजनैतिक निर्योग्यता का शिकार है' (मजूमदार 1958) फिर भी बाद के धार्मिक ग्रन्थों में अस्पृश्यता पर ज्यादा बल देकर इनकी आर्थिक विपन्नता का समाज के उन्नत वर्ग ने लाभ लेना शुरू कर दिया है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद समाज के इस वर्ग को बराबरी का दर्जा दिलाने आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ करने की नियत से भारतीय संविधान में अनुच्छेदों और धाराओं के माध्यम से विशेष प्रावधान किये गये हैं। भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा इनके विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का प्रावधान किया जा रहा है जिससे इनका सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार होता जा रहा है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति जनसंख्या के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का अध्ययन करना।
2. अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या के विकास की सम्भावित व्याख्या करना।

साहित्यावलोकन

किसी भी क्षेत्र में पाये जाने वाली अनुसूचित जाति की जनसंख्या का स्तर वहाँ की सामाजिक एवं आर्थिक प्रतिरूप पर निर्भर करती है। यदि किसी क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का आधिक्य है तथा किसी क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या कम पायी जाती है तो यह वहाँ पर पायी जाने वाली सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक स्वतन्त्रता पर निर्भर करती है। अध्ययन क्षेत्र जनपद जौनपुर में अनुसूचित जाति की जनसंख्या कुल जनसंख्या का लगभग 23.14 प्रतिशत निवास करती है। इससे यह मालूम पड़ता है कि अनुसूचित जाति की जनसंख्या अन्य जनपदों की अपेक्षा अधिक संसाधन व स्वतन्त्रता प्राप्त करने में सफल हुई है। फिर भी जनपद की अनुसूचित जाति की जनसंख्या को और अधिक सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक रूप से सुदृढ़ होने की आवश्यकता है जिससे उनका सम्पूर्ण विकास हो सके।

परिकल्पना

अध्ययन क्षेत्र जनपद जौनपुर में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का विकास वहाँ पर उपलब्ध संसाधन अन्य जातियों के जनसंख्या के व्यवहार व दुर्व्यवहार तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी गयी विभिन्न प्रकार की योजनाओं पर पूर्ण रूप से निर्भर है तथा इन सबका सम्पूर्ण प्रभाव पड़ा है। अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का विकास एवं जनसंख्या की गतिशीलता में सह-सम्बन्ध पाया जाता है। किसी क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या का जीवन स्तर वहाँ के चारों ओर पायी जाने वाली सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्वतन्त्रता पर निर्भर करती है। इस क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है जबकि इनके सामाजिक एवं आर्थिक वृद्धि में नाम मात्र का परिवर्तन देखा जा सकता है। इस जाति को आज भी उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है जो इनकी पूर्व की पीढ़ियों ने सहा है पर अब यह उसी परिस्थितियों का बदला हुआ स्वरूप माना जा सकता है। लेकिन कुछ न कुछ उन परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ है जो नाम मात्र का कहा जा सकता है। लेकिन पूर्ण रूप से समाप्त किया जाना बहुत ही जरूरी है जिससे इनके विकास में बाधा न हो।

आँकड़ो का स्रोत

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में मुख्य रूप से द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। प्राथमिक आँकड़े प्रायः सर्वेक्षण पर आधारित होते हैं। अनुसूचित जाति के वितरण के अध्ययन हेतु भारत की जनगणना एवं उत्तर प्रदेश की जनगणना में जौनपुर जनपद की जनगणना (2011) से प्राप्त आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। जनपद के 21 ब्लाकों एवं 6 तहसीलों में अनुसूचित जाति की जनसंख्या को आधार मानकर किया गया है। जौनपुर जनपद की जिला सांख्यिकीय पत्रिका एवं ए हैण्डबुक आफ डिस्टिक्ट जौनपुर का भी प्रयोग किया गया है। जौनपुर जिला सांख्यिकीय पत्रिका से अनुसूचित जाति की जनसंख्या की सामाजिक एवं आर्थिक स्तर आदि आँकड़ों को एकत्रित करके अध्ययन किया गया है।

जौनपुर जनपद का मानचित्र

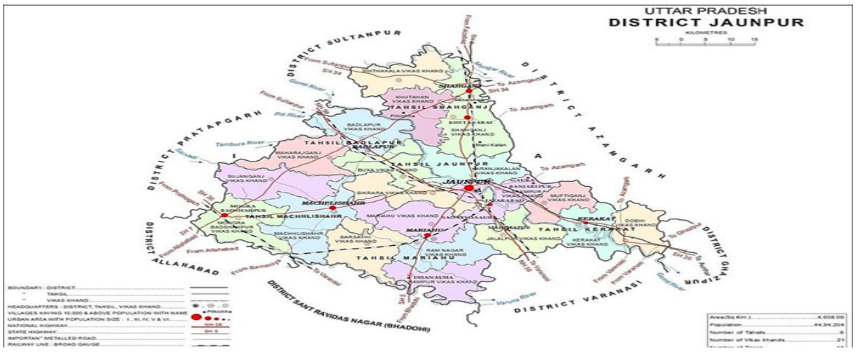

अध्ययन क्षेत्र

जौनपुर जनपद $25^0 26'$ उत्तरी अक्षांश से $26^0 11'$ उत्तरी अक्षांश तथा $82^0 8'$ पूर्वी देशान्तर से $83^0 5'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य गंगा घाटी के उत्तरी- पूर्वी प्रदेशस्थ वाराणसी मण्डल के उत्तरी-पश्चिमी भाग में अवस्थित है, जो सांस्कृतिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इस जनपद के पूर्व में गाजीपुर एवं पूर्वोत्तर में आजमगढ़, पश्चिम में प्रतापगढ़ और पश्चिमोत्तर में सुल्तानपुर जनपद दक्षिण में सन्त रविदास नगर (भदोही) एवं दक्षिण-पूर्व में वाराणसी जनपद स्थित है। जनपद में गोमती एवं सई प्रमुख एवं सततवाहिनी नदियाँ है। जौनपुर जनपद का सम्पूर्ण भाग मैदानी एवं सामान्यतः समतल है। नदी तटीय क्षेत्रों में ही इस जनपद के भू-भाग नालों के मिलनें तथा कटाव के कारण बीहड़ या उबड़-खाबड़ दिखाई देते हैं।

जनपद का औसत ढाल नदियों के सामान्य बहाव दिशा के समान ही उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर है। पुराने ग्रन्थों एवं अभिलेखों के अनुसार यह जनपद अवध में सम्मिलित था, जो बाद में ऐतिहासिक परिवर्तन के कारण काफी प्रभावित हो गया। इस जनपद को प्रशासनिक दृष्टि से 6 तहसीलों - 1. शाहगंज, 2. मछलीशहर, 3. बदलापुर, 4. जौनपुर, 5. मडियांहू एवं 6. केराकत तथा 21 विकासखण्डों में क्रमशः- 1. शाहगंज 2. सिरकोनी 3. सुइथाकलाँ 4. डोभी 5. केराकत 6. जलालपुर 7. मुफ्तीगंज 8. रामपुर 9. रामनगर 10. धर्मापुर 11. सिकरारा 12. खुटहन 13. करंजाकला 14. बदलापुर 15. महराजगंज 16. बक्सा 17. सुजानगंज 18. मुंगराबादशाहपुर 19. मछलीशहर 20. मडियाहूँ तथा 21. बरसठी में विभाजित किया गया है।

जनपद जौनपुर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी0 तथा कुल जनसंख्या जनगणना 2011 के अनुसार 4494204 है जिसमें पुरूष जनसंख्या 2220465 एवं 2273739 महिला जनसंख्या है। जौनपुर की कुल साक्षरता दर 71.55 प्रतिशत है। जनपद जौनपुर में अनुसूचित जाति की जनसंया जनगणना 2011 के अनुसार 990345 है जो जनपद की कुल जनसंख्या का 23.14 प्रतिशत है जिसमें पुरूष जनसंख्या 494226 व महिला जनसंख्या 496119 है।

विश्लेषण एवं व्याख्या

डैम्को के अनुसार- "जनसंख्या भूगोल भूगोल की वह शाखा है जिसमें किसी क्षेत्र के जनसांख्यिकीय लक्षणों के क्षेत्रीय वितरण का विश्लेषण किया जाता है। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय दशाओं के आपसी क्रिया-प्रतिक्रिया से उत्पन्न सामाजिक एवं आर्थिक प्रतिफलों का अध्ययन भी

ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-4* July- 2021
Anthology : The Research

किया जाता है।”

जॉन आई क्लार्क के अनुसार- “जनसंख्या भूगोल, जनसंख्या के वितरण, संघटन, प्रवास, वृद्धि आदि की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को भू-क्षेत्र की प्रकृति की विभिन्नताओं से सम्बन्धों की व्याख्या करता हैं।”

चाँदना के अनुसार जनसंख्या भूगोल का सम्बन्ध निम्नलिखित तीन मूल बातों से है-

1. जनसंख्या लक्षणों का क्षेत्रीय तथा सामयिक वर्णन करना।
2. जनसंख्या की विभिन्न क्षेत्रीय तथा सामयिक अभिव्यक्तियों का स्पष्टीकरण देना।
3. जनसंख्या सम्बन्धी विभिन्न क्षेत्रीय तथा सामयिक दशाओं को निर्मित करने वाली प्रक्रियाओं की पहचान तथा विश्लेषण करना।

क्र0सं	विकास खण्ड	कुल क्षेत्रफल	कुल जनसंख्या	पुरूष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	प्रतिशतता	लिंगानुपात	साक्षरता
1	सुइथाकला	210.89	47468	23826	23642	25.39	992	61.07
2	शाहगंज	291.49	60448	30365	30083	19.27	990	62.07
3	खुटहन	194.84	44010	22118	21892	20.21	990	64.45
4	करंजाकला	184.60	49939	25359	24580	20.65	970	63.51
5	बदलापुर	212.10	50687	25399	25288	22.04	996	54.03
6	महराजगंज	183.93	38802	19554	19248	23.4	984	65.71
7	बकसा	180.44	40634	20165	20469	20.15	1015	66.99
8	सुजानगंज	221.01	42732	21244	21488	20.31	1011	65.82
9	मुंगरा बादशाहपुर	222.40	48065	23968	24097	24.29	1005	65.21
10	मछलीशहर	270.73	58722	29108	29614	26.19	1017	61.52
11	मड़ियाहूँ	218.41	48485	23799	24686	22.86	1037	63.98
12	बरसठी	217.01	49794	24157	25637	25.08	1061	91.59
13	सिकरारा	155.58	41882	21286	20596	22.88	968	66.72
14	धर्मापुर	100.03	29624	14687	14937	25.85	1017	63.35
15	रामनगर	186.78	35921	17977	17944	17.02	998	66.64
16	रामपुर	200.59	50116	25077	25039	24.13	998	59.8
17	मुफ्तीगंज	131.24	38807	18559	20248	30.39	1091	63.02
18	जलालपुर	149.70	43807	21905	21902	26.58	1000	66.86

19	केराकत	160.76	52600	26013	26587	28.57	1022	66.22
20	डोभी	145.26	46628	23263	23365	27.73	1004	65.03
21	सिरकोनी	153.15	40533	20486	20047	21.81	979	65.76
	ग्रामीण	3990.94	959704	478315	481389			
	नगरीय	47.06	30641	15911	14730			
	कुल योग	4038.00	990345	494226	496119	23.14	1006	63.77

उपरोक्त सारणी के अनुसार जनपद जौनपुर में अनुसूचित जाति की जनसंख्या (जनगणना 2011) का प्रतिशत लगभग 23.14 है इससे यह मालूम होता है यहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या का बाहुल्य है। जौनपुर जनपद का कुल क्षेत्रफल 4038 वर्ग किमी0 है। सबसे अधिक क्षेत्रफल शाहगंज विकास खण्ड (291.49 वर्ग किमी0) उसके बाद क्रमशः मछलीशहर (270.73 वर्ग किमी0), मुंगराबाद शाहपुर (222.40 वर्ग किमी0), सुजानगंज (221.01 वर्ग किमी0), व मडियाहूँ (218.41 वर्ग किमी0) में है। सबसे कम क्षेत्रफल धर्मापुर (100.03 वर्ग किमी0), व मुफ्तीगंज (131.24 वर्ग किमी0), शाहगंज विकासखण्ड में अधिक क्षेत्रफल होने के साथ-साथ अनुसूचित जाति की अधिक जनसंख्या 60448 पायी जाती है जिसमें पुरूष जनसंख्या 30365 व 30083 महिला जनसंख्या पायी जाती है। उससे बाद क्रमशः अधिक जनसंख्या मछलीशहर 58722 जिसमें पुरूष 29108 व महिला 29614 तथा केराकत विकासखण्ड में 52600 जनसंख्या पायी जाती है जिसमें पुरूष 26013 व महिला 26587 निवास करती है। धर्मापुर विकासखण्ड में न्यूनतम क्षेत्रफल होने के कारण अनुसूचित जाति की न्यूनतम जनसंख्या 29624 जिसमें पुरूष 14687 व महिला 14937 पायी जाती हैं उसके बाद क्रमशः रामनगर में 35921 जनसंख्या जिसमें 17977 पुरूष व 17944 महिला पायी जाती है।

जनगणना (2011) के अनुसार जनपद में अनुसूचित जाति की साक्षरता 63.77 प्रतिशत है जिसमें पुरूष साक्षरता 77.07 प्रतिशत व महिला साक्षरता 50.77 प्रतिशत है। पुरूष व महिला साक्षरता के बीच लगभग 17 प्रतिशत का अन्तर है इससे यह स्पष्ट होता है कि महिलाओं की अपेक्षा पुरूष की साक्षरता अधिक है व पुरूष महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है व महिलाओं को अभी भी पूर्ण रूप से स्वतन्त्रता नहीं मिल पा रही है तथा महिलाएं शिक्षा प्राप्त करने में पुरूषों की अपेक्षा बहुत पिछ्डी हुई हैं। जनपद में सबसे अधिक साक्षरता बक्सा विकासखण्ड 66.99 प्रतिशत है उसके बाद क्रमशः जलालपुर 66.86 प्रतिशत व सिकरारा 66.72 प्रतिशत है। पुरूषों की सबसे अधिक साक्षरता बक्सा विकासखण्ड 81.37 प्रतिशत है उसके बाद क्रमशः सिकरारा 80.66 प्रतिशत व सुजानगंज में 80.35 प्रतिशत पायी जाती है महिलाओं की साक्षरता सबसे अधिक केराकत विकासखण्ड में 54.19 प्रतिशत उसके बाद जलालपुर 53.68 प्रतिशत व बक्सा में 53.03 प्रतिशत पायी जाती है। सबसे कम साक्षरता रामपुर में 59.8 प्रतिशत, सुरथाकला में 61.07 प्रतिशत व मछलीशहर में 61.52 प्रतिशत है। सबसे कम पुरूष साक्षरता रामपुर विकासखण्ड में 73.96 प्रतिशत पायी जाती है उसके बाद सुरथाकला 71.82 प्रतिशत व शाहगंज में 74.18 प्रतिशत है। सबसे कम महिला साक्षरता रामपुर में 45.85 प्रतिशत व क्रमशः मछलीशहर में 48.35 प्रतिशत व बरसठी में 48.39 प्रतिशत साक्षरता पायी जाती है। जनपद में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का लिंगानुपात 1006 पाया जाता है जिसमें सबसे अधिक लिंगानुपात मुफ्तीगंज विकासखण्ड का 1091 पाया जाता है व सबसे कम लिंगानुपात सिकरारा

विकासखण्ड का 968 पाया जाता है।

जनपद में अनुसूचित जाति की जनसंख्या आर्थिक रूप से अधिक पिछड़ी हुई है। अधिकांश जनसंख्या के पास तो कृषि भूमि का अभाव है अगर कुछ लोगों के पास कृषि भूमि है तो वह भी बहुत कम व नाम मात्र की है। ये जातियाँ बहुत गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर मानी जाती है। इसके पास कृषि करने के अलावा मजदूरी करना मुख्य कार्य है जिससे ये किसी प्रकार अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भूमिहीन होने के कारण ये जातियाँ दूसरों के यहाँ गुलामी करने के लिए बाध्य हैं। रोजगार का नितान्त अभाव है कुछ कृषक कृषि भी परम्परागत तरीके से भगवान भरोसे करते हैं जिससे वर्ष भर के लिए पर्याप्त अनाज भी नहीं मिल पाता है। पूरे समुदाय में गरीबी अपना पैर पसारी है। छोटे-छोटे खेत हैं तकनीकी अज्ञानता व अच्छे बीज के अभाव के फलस्वरूप कृषि में भी पिछड़े हुए हैं साथ ही परिवार में आश्रित सदस्यों की संख्या भी अधिक है अतः ये अपनी कमाई से अधिक खर्च करते रहते हैं जिसके कारण इनकी दशा दयनीय रहती है। इस समाज के कुछ लोग ही आर्थिक रूप से समृद्ध है जिनकी संख्या बहुत कम है और ये लोग अपना जीवन-यापन करने के स्वरूप में सुधार किये हैं, लेकिन जितना सुधार होना चाहिए उतना नहीं हुआ है। इस समाज को अपने परम्परागत कार्यों को छोड़कर दूसरे क्षेत्रों में भी जाना चाहिए जिससे ये लोग आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके।

निष्कर्ष

अनुसूचित जातियां समाज के सबसे कमजोर वर्ग से हैं तथा अन्य जातियों की अपेक्षा ये जातियां सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्तर में काफी पीछे है। अधिकांश के पास तो भूमि ही नहीं है, कुछ लोगों के पास है तो वह अल्पमात्रा में है। ये जातियाँ अधिकांश भूमिहीन मजदूर वर्ग में आते हैं। यद्यपि केन्द्र सरकार राज्य सरकार व अन्य संस्थाओं द्वारा इनके उत्थान हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं फिर भी इनको अत्यधिक सहायता की आवश्यकता है क्योंकि आर्थिक दृष्टिकोण से ये जातियां बहुत ही पिछडी हैं। इनका भरण-पोषण किसी प्रकार हो पाता है क्योंकि मजदूरी करके जीवन-यापन कर रहे हैं। इनके सिद्धान्त 'अधिक हाथ-अधिक आमदनी' जनसंख्या वृद्धि के प्रेरक तत्व हैं। स्वतन्त्रता के पश्चात सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों में राजकीय सहायता के माध्यम से इनमें जागरूकता उत्पन्न हुई है, जैसे अम्बेडकर ग्राम घोषित कर उनमें अनेक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हुई और साथ ही अधिक योजनाओं को लाकर इनका विकास किया जाना जरूरी है। सामान्यतः जनपद के अनुसूचित जाति की जनसंख्या में गरीबी, अशिक्षा, पिछड़ापन कृषि का अविकसित होना, अन्ध विश्वास, बाल-विवाह आदि के साथ जनसामान्य रहन-सहन निम्न है। कुछ क्षेत्रों की जनसंख्या सामाजिक, आर्थिक शैक्षणिक रूप से विकसित हो रही है तथा यह विकास एवं जागरूकता सभी क्षेत्रों में होना जरूरी है। अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए की गयी संस्तुतियों में कहा गया है कि ऐसे प्रयास किये जाये जिनसे घृणित और अपवित्र कार्य समाप्त हो जाए। शिक्षा, संचार तथा आवागमन के द्वारा सभी वर्गों के लोगों को सम्पर्क में लाने के लिए प्रयास किये जायें। अनुसूचित जातियों के उत्थान हेतु इस दिशा में और अधिक कार्य किया जाना शेष है। इन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए इनका सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक रूप से उत्थान किया जाना आवश्यक है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. *Chandna, R.C. (1985) "Atlas of Scheduled Caste"*
2. *Chandna, R.C. (1987) "Population Geography"*
3. *Demko, G.J. (1970) Population Geography*
4. *Clarke, John, I. (1965) Population Geography*
5. *Census of India 2011*
6. *Census of U.P. (India 2011)*
7. *District Statistics Journal, Jaunpur 2017-18*
8. *District Census Handbook, Jaunpur, government of India*